सेवा संस्कार पराक्रम

धनूर्वेदी

(पंजी)

हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन

धनूर्वेदी
हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन

2023-2024

प्रस्तावना

संस्थापक

बाल्य अवस्था से ही समाज सेवा का भाव विरासत में मिलने के फलस्वरूप मात्र 10 वर्ष की आयु से ही सामाजिक जीवन में कदम रखा पढ़ाई के साथ लेखन में रुचि होने के कारण पत्रकारिता से सामाजिक जीवन की शुरुआत की जिसमे 14 वर्ष की आयु होने तक सबसे कम आयु के पत्रकार होने का सम्मान प्राप्त हुआ बाद में केसरिया शक्ति के नाम से एक समाचार पत्र भी प्रकाशित किया साथ की मध्य भारत पत्रकार संघ में प्रदेश उपाध्यक्ष , महानगर पत्रकार संघ, न्यूज चैनल, सामाजिक संगठन आदि में भी दायित्व रहें। भारतीय कलाओं में रुचि होने एवं पैतृक कला कुश्ती, अखाड़ा एवं व्यायाम के प्रति हमेशा रुझान रहा इस कारण कुश्ती कला में कई प्रतियोगिता जीती एवं पदक अजित कर नगर का नाम रोशन किया। जैसे जैसे समय आगे बड़ा भारतीय संस्कृति अध्यात्म कलाएं समाज सेवा धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ती गई अपने जीवन के अनुभवों से समाज सेवा को अपना जीवन समर्पित करने का भाव आया और जो कलाएं ईश्वर की कृपा एवं अपने गुरुजनों, बुजुगों से प्राप्त की थी उनको समाज को देने का संकल्प किया। विशेष कर बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में इसके साथ गौ सेवा, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ सेवा, भोजन सेवा, रोजगार, पर्यावरण और भारतीय कलाओं आदि के कार्यों के साथ सेवा एवं लोक कल्याण के इसी पुण्य भाव को लेकर समाज को स्वस्थ, सुरक्षित आत्मनिर्भर, एवं सशक्त बनाने एवं सेवा को एक नए आयाम तक ले जाने के उद्देश्य से अपने पैतृक अखाड़े को पंजीकृत कराया

जिसका नाम पंजीयन होने पर धनुर्वेदी हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन रखा गया कुछ संख्या से प्रारंभ होकर आज हमारा यह परिवार लगभग 25 हजार की संख्या तक पहुंच गया हैं और मध्यप्रदेश के बाद अब देश के चार और राज्यों में स्थापित होने की ओर अग्रसर हैं

स्थापना

धनुर्वेदी हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन की स्थापना 1950 में गुड़ी पड़वा के पावन पर्व पर प्रथम श्री प्रमुख द्वारा हुई थी। पूर्व में अखाड़े का नाम श्री केसरी नंदन व्यायाम शाला था अखाड़े के द्वारा पहली बार पीथमपुर नगर में राष्ट्र रक्षा यज्ञ एवं संत सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमे नगर में पहली बार कई पूज्य साधु संत, साध्वी महामंडलेश्वर, धर्माचार्य आदि का एक साथ नगर वासियों को पुण्य सानिध्य प्राप्त हुआ इसी आयोजन में पूज्य संतो द्वारा अखाड़े के कार्यों से प्रसन्न होकर अखाड़े को हिन्दू शाही अखाड़ा की उपाधि से सम्मानित किया तभी से अखाड़े को हिन्दू शाही अखाड़ा से संबोधित किया जाने लगा अखाड़े को धनुर्वेदी हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन नाम से पंजीकृत किया गया है धनुर्वेदी हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन शासन द्वारा पंजीकृत हैं और आवश्यक समस्त अनुमति एवं प्रमाण पत्र प्राप्त हैं संस्था शासन के कई विभागों के साथ मिल कर सयुक्त रूप से भी कार्य कर रही हैं जैसे पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जन अभियान परिषद, नगर विकास प्रस्फुटन समिति आदि

प्रशासन का सहयोग

प्रकल्प - -: आओ पुलिस पर गर्व करे, हमारी पुलिस -- हमारा गौरव

आम जन को प्रशासन से जोड़ने, प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ाने और समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य को लेकर यह प्रकल्प आओं पुलिस पर गर्व करें, हमारी पुलिस -- हमारा गौरव, बनाया गया हैं इसमें प्रशासन के साथ मिलकर प्रदेश के समस्त ग्रामों एवं नगरों में ग्राम एवं नगर महिला सुरक्षा समिति "शक्ति वाहिनी" का गठन किया जा रहा है जिससे कानून व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए महिलाएं भी प्रशासन का सहयोग कर सके। इस हेतु संस्था द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जाता है

आयोजन • पुलिस ने सम्मान पर पीथमपुर अखाड़ा सदस्य, महिलाओं और बालिकाओं को किया सम्मानित

महिलाओं, बालिकाओं को दिया जुडो-कराते का प्रशिक्षण

सुदर्शन टुडे | 6

महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु किया जा रहा ग्राम महिला सुरक्षा समिति के प्रशिक्षण का आयोजन

प्रशासन का सहयोग

प्रकल्प - -: आओ पुलिस पर गर्व करे, हमारी पुलिस -- हमारा गौरव

प्रशिक्षण के विषय

1. महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा हेतु प्रशिक्षण
2. बालिकाओं को सायबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना
3. महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी देना
4. सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता
5. किशोरी बालिकाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार एवं बाल अपराध के प्रति सावधानियां एवं जागरूकता
6. यातायात नियमों के प्रति जागरूकता
7. पीड़ित पक्ष को विधि सहायता हेतुमागर्द र्शन
8. नशा मुक्ति अभियान
9. सिविल सर्विस में अपना भविष्य बनाने के लिए मार्गदर्शन
10. मेले, धार्मिक, सामाजिक आयोजनों एवं महिलाओं से जुड़े विषयों पर प्रशासन का सहयोग करने के लिए महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रशिक्षण आदि निःशुल्क प्रदान किया जाता हैं

महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु किया जा रहा ग्राम महिला सुरक्षा समिति के प्रशिक्षण का आयोजन

राहुल गुप्ता की रिपोर्ट

राजपुर-= ग्राम नरावला में महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु तीन दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है भारतीय संस्कृति और अध्यात्मिक से बालिकाओं को एवं महिलाओं को राष्ट्रभक और राष्ट्रहित में भागीदारी बनाने एवं उनका श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण हो इसी पुण्य उद्देश्य को लेकर धनुर्वेदी हिंदू शाही अखाड़ा फाउंडेशन द्वारा राजपुर नगर के ग्राम नरावला में पहली बार सांस्कृतिक कला प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत आयोजन का शुभारंभ में थाना प्रभारी यशवंत बडोले एवं ग्रामीण की महिलाएं उपस्थित रही वही तीन दिवसीय वर्ग में योग अध्यात्म और संस्कृति व्यायम से स्वस्थ जीवन आत्मरक्षा की कलाओं के साथ भारतीय परंपराओं कलाओं और सेवा कार्यों के प्रति प्रोत्साहित किया जाएगा वर्ग में प्रतिदिन संगठन की कई प्रबुद्ध जन और अधिकारियों द्वारा महिलाओं को आत्मविश्वास और सामाजिक सुरक्षा का भाव जागृत करने के लिए समय समय पर आकर मार्गदर्शन दिया जाएगा वहीं धनुर्वेदी हिंदू शाही अखाड़ा द्वारा पहली बार महिलाओं एवं बहनों द्वारा यह आयोजन में भाग लिया जा रहा है जिसके तहत समाज के हर वर्ग में भारी उत्साह देखने को मिला इस अखा ?ा प्रमुख कमल सिंह ने बताया कि यह तीन दिवसीय आयोजन आत्म सुरक्षा एवं माता भवनों के समन्वयक एवं शिक्षा जगाने के उद्देश्य से या आयोजन किया गया जिसमें थाना प्रभारी यशवंत बडोले के विशेष आग्रह के रूप में यह आयोजन किया जा रहा है जिसमें यहां पर ग्राम महिला सुरक्षा समिति का गठन किया जा रहा है जिसमें यहाँ अपराध को नियंत्रण करेगी और हमारे कानून के प्रति जागरूक करेगी वही जिला संयोजिका प्रिया दीदी द्वारा कानून के प्रति जागरूक करेगी वही गोल्ड मेडलिस्ट प्रखंड संयोजिका तुलजा दीदी जो कि मार्सल आर्ट है वह आत्म रक्षा के लिए ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देगी इसी तरह यह आयोजन तीन दिवसीय आयोजन रहेगा।

पुलिस ने चलाया महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान

राहुल गुप्ता की रिपोर्ट

थाना राजपुर पुलिस ने महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विध्यालय राजपुर में छात्र छात्राओ को जागरुक किया गया।

बड़वानी पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने जिले के सभी थाना प्रभारीयों को महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम के संबंध में आमजन को जागरुक करने के निर्देश दिये गये। जिस पर थाना राजपुर टी. आई. श्री यशवंत व ?ाले ने पुलिस अधीक्षक बड़वानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री आर डी प्रजापति, एस.डी.ओ.पी श्री रोहित अलावा राजपुर के मार्गदर्शन में टी.आई. श्री यशवंत व ?ाले द्वारा थाने से सउनि शिवराम चौहान, प्रआर. हेमराज राणे, आरक्षक गुणीराम, पंकज म.आर. ललीता, अंजली को साथ लेकर एकलव्य आदर्श आवासीय विध्यालय राजपुर में छात्र/छात्राओ को महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान, जागरूकता एवं संवेदनशीलता के संबंध में जागरूक करते हुये उनके अधिकारों के संबंध में बताया गया साथ ही नशा मुक्ती अभियान के तहत शराब, पान, गुटखा, होने वाली गंभीर व घातक बिमारियों के संबंध में जानकारी देकर छात्र/छात्राओ को किसी भी प्रकार का नशा नही करने के संबंध में जागरूक किया गया अगर नशा ही करना है तो पढ़ाई का नशा करने, अपने लक्ष्य हासील करने का नशा करने के संबंध में बताया गया तथा इमरजेंसी नंबर 108, डायल 100, महिला हेल्पलाईन 1090, चाईल्ड लाईन 1098 नोट कराये गये तथा यातायात अभियान के तहत छात्र / छात्राओं को अपने परिवार में वाहन चलाते समय हेलमेट पहनकर वाहन चलाने व यातायात नियमों का पालन करने कि समझाईस देने को बताया गया साथ ही धनुर्वेदी सांई अखाड़ा फाऊन्डेशन पीथमपुर (म.प्र). के संयोजक कमल पंवारजी, प्रकरण संयोजीका तुलजा सकलेचा, इंदौर जिला संयोजिका प्रिया कसलेचा के द्वारा बालक/बालिकाओं को अखाड़ा, जुडो, कराटे, दंड का

महिला एवं बाल विकास विभाग एवं संस्था का संयुक्त प्रकल्प
किशोरी बालिका एवं मातृ शक्ति प्रशिक्षण वर्ग

प्रदेश शासन द्वारा संचालित लाड़ली लक्ष्मी योजना में चयनित बहनों को प्रशिक्षण

संस्था महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर संयुक्त रूप से निरंतर कार्य कर रही है जिसमे किशोरी बालिकाओं के साथ महिलाओ को भी आत्मरक्षा का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता हैं एवं इसके साथ विभाग द्वारा बालिकाओं और महिलाओं को मिलने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारियां उपलब्ध कराई जाती हैं। महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए रोजगार प्रशिक्षण दिया जाता है और प्रशिक्षण के बाद बहनों को आत्मनिर्भर होने के लिए संस्था द्वारा सहयोग भी किया जाता हैं। महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ के प्रति जागरूक किया जाता हैं शासन द्वारा गठित की गई लाड़ली बहना सेना को भी महू तहसील जिला इंदौर में महीला एवं बाल विकास विभाग, एवं माननीय विधायिका सुश्री ऊषा ठाकुर जी के सहयोग से संस्था द्वारा ही प्रशिक्षित किया गया हैं। समय समय पर बहनों के लिए कई प्रतियोगिता भी की जाती हैं जिसमे विजय बहनों को सम्मानित किया जाता हैं

शासन के विभाग जन अभियान परिषद

एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति के साथ संस्था के संयुक्त प्रकल्प

धनुर्वेदी हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन शासन के विभाग जन अभियान परिषद एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कार्य कर रहा है जिनमे हार्टफुलनेस योग, ध्यान, अध्यात्म, जल संरक्षण, पक्षियों के लिए बसेरा एवं उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूकतापर्यावरण के प्रति जागरुकता, "प्रकल्प" वृक्षारोपण अभियान एक पौधा अपने पूर्वजों के नाम जिसमे प्रति # वर्ष संस्था द्वारा प्रदेश के विभिन्न ग्रामों, नगरों, एवं क्षेत्रों में पौधे लगाएं जाते हैं इस प्रकल्प के निहित अब तक लाखों की संख्या में वृक्षारोपण हो चुका हैं इस प्रकल्प को प्रदेश के हर ग्राम तक पहुंचाने की योजना है जिससे हम प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति हमारे मानवीय कर्तव्यों को पूरा कर सकें

संस्कारों एवं संस्कृति की शिक्षा

संस्था द्वारा भारतीय पारंपरिक और सांस्कृतिक कलाओं का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है साथ ही इन कलाओं को रोजगार का माध्यम बनाने के लिए प्रेरित भी किया जाता है। हमारी संस्कृति और भारतीय संस्कारों की शिक्षा से युवा पीढ़ी राष्ट्रभक्त, संस्कारित, अनुशासित एवं उनके श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण के लिए परिचर्चा, बौद्धिक आदि आयोजन भी किए जाते हैं।

पारंपरिक और सांस्कृतिक कलाओं का निशुल्क प्रशिक्षण हमारें पारंपरिक खेलों को खेल विभाग में लेने के कारण अब भाइयों और बहनें इनके माध्यम से अपना भविष्य उज्वल बना सकते हैं इसके लिए संस्था कुश्ती, मलखंब, तीरंदाजी, तलवारबाजी, भाला फेंक, तैराकी, घुड़सवारी, निशाने बाजी, शतरंज, आदि जो खेल विभाग के आते हैं उनका निशुल्क प्रशिक्षण, देती हैं और इनके माध्यम से शासकीय सेवाओं में जाने, जिले, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जाने के लिए निशुल्क मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, और प्रोत्साहन दिया जाता हैं इसके फलस्वरूप प्रति वर्ष संस्था के कई भाई और बहनें जिले राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होते हैं और कई प्रतिभागी खेलों के माध्यम से सिविल सर्विस आदि में चयनित होते हैं

संस्था के अन्य प्रकल्प एवं उपलब्धियां

* नगर का प्रथम अखाड़ा और नगर में कुश्ती कला को जीवंत करने का गौरव हमारे अखाड़े को प्राप्त है नगर का प्रथम कुश्ती दंगल अखाड़े के द्वारा ही आयोजित किया गया था कई वर्षों तक सतत कुश्ती दंगल आदि के पश्चात सन 2002 में द्वितीय श्री प्रमुख जो वर्तमान में दायित्यवान है ने गतिशील किया नवीन कार्यकाल में प्रथम वर्ष श्री प्रमुख ने कुश्ती कला और व्यायाम पारंपरिक कलाओं के प्रति युवाओं को नए उत्साह प्रदान किया जिसके फल स्वरुप नगर के पहलवानों ने पूरे प्रदेश में कुश्ती कला का जौहर दिखाकर पीथमपुर का नाम रोशन किया उसके बाद प्रतिवर्ष नगर में अखाड़े के द्वारा कुश्ती कला और व्यायाम को प्रोत्साहित करने के लिए एवं अन्य क्षेत्रों में भी कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाने लगा जिसमें देश के कई नामी पहलवानों ने भाग लिया

* इसके साथ ही निरंतर स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग एवं व्यायाम का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है अखाड़े द्वारा भारतीय संस्कृति के लिए कई प्रकल्प किए गए जिसमें नगर की प्रथम भगवा यात्रा का गौरव भी अखाड़े को प्राप्त है जो धन्नड से प्रारंभ होकर विश्वास नगर हाउसिंग बोर्ड से होती हुई पीथमपुर नगर में आयोजित की गई थी उसके पश्चात प्रति वर्ष नगर ध्वज की शोभा यात्रा भी आयोजित होने लगी। स्वास्थ्य सेवा में जरूरत के समय रक्त की आवश्यकता होती है यह बहुत बड़ी समस्या है इसके समाधान के लिए अखाड़े के द्वारा एक अति सक्रिय व्यवस्था पर कार्य किया जा रहा है जिसमें जरूरतमंद को समय पर रक्तदाता द्वारा सीधे सहायता पहुंचाई जा सके इस प्रकल्प का नाम रक्त वीर रखा गया है।

* अखाड़े के द्वारा बहनों को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए कार्य किया जा रहे है जिसमें निःशुल्क प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें अभी तक अखाड़े के द्वारा हजारों की संख्या में भाइयों और बहनों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा चुका है अब अखाड़ा प्रशिक्षण वर्ग के साथ प्रदेश में कई जिलों नगरों में अन्य कई संस्था, संगठन, एवं अखाड़े को भी निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहा है अखाड़े के द्वारा समाज सेवा जन कल्याणकारी कार्यों के साथ भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, भारतीय, पारंपरिक, एवं आधुनिक खेलों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए निःशुल्क रोजगार प्रशिक्षण भी दिया जाता है अखाड़े के द्वारा सामाजिक एवं धार्मिक स्थान के सुचारु व्यवस्था स्वच्छता आदि के लिए कार्य किए जाते हैं साथ ही कई सामाजिक आयोजन जैसे कन्या पूजन, नवरात्रि, दशहरा, गणेश उत्सव, भंडारे, आदि के साथ जन सेवा के कई आयोजन आदी भी किए जाते हैं।

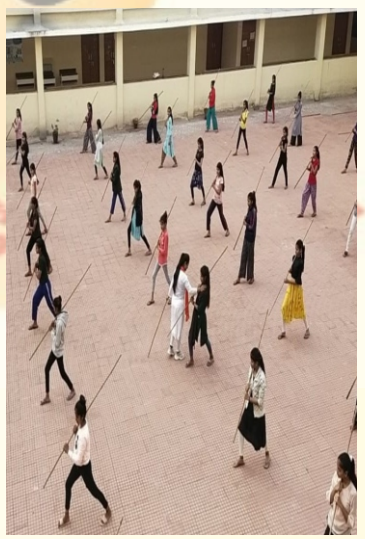

संस्था के अन्य प्रकल्प एवं उपलब्धियां

* अखाड़े के द्वारा गौ सेवा के लिए कई कार्य किया जा रहे हैं जिसमें नगर के साथ विभिन्न नगरों में भी अखाड़े के द्वारा गौ सेवा की जा रही है और गौशालाओं को सक्षम करने के लिए कार्य किया जा रहे हैं जिससे गौशालाओं की व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके साथ ही जनमानस को गौ माता की सेवा के लिए प्रेरित करते हुए विभिन्न नगरों में गर्मियों के मौसम में गौ माता के पीने के पानी के लिए गौ जल पात्र की व्यवस्था भी की जाती है। अखाड़े के द्वारा स्वास्थ्य शिविर चिकित्सा सेवाएं आदि के कार्य भी किए जाते हैं अखाड़े के द्वारा महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर बनाने हेतु रोजगार प्रशिक्षण एवं सहायता, बालक बालिकाओं को शिक्षण सामग्री की सहायता आदि के प्रकल्प भी किए जाते हैं अखाड़े के द्वारा समय पर निराश्रितों एवं जरूरतमंदों को भोजन की व्यवस्था एवं दैनिक जीवन में उपयोग हतु आवश्यक सामग्री की सहायता के लिए कार्य किया जाता है।

* मठ मंदिरों गौशालाओं अखाड़े सामाजिक संगठन संस्था संस्थान आश्रमों को सुचारु व्यवस्था और समन्वय स्थापित करना सांस्कृतिक आयोजन, प्रदर्शनी, सेवा, संस्कार, शिक्षा, सहायता, रोजगार, आदि के कई प्रकल्प धनुर्वेदी हिंदू शाही अखाड़ा फाउंडेशन द्वारा लोक सेवा मानव सेवा आदि के पावन उद्देश्य के निहित हर संभव कार्य कर रहा है और आने वाले समय में सेवा के और नित नए आयामों की ओर अग्रसर है कार आइए आप भी साथ मिलकर सेवा के इस पुण्य यात्रा में सहभागी बने।

दैनिक भास्कर धार भास्कर 13-07-2023

बहनों ने सशस्त्र व निशस्त्र कलाओं का प्रदर्शन किया

संकल्प एवं उद्देश्य

धनुर्वेदी हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन भारतीय संस्कृति और संस्कारों से हमारी भावी युवा पीढ़ी को राष्ट्रभक्त, संस्कारित, अनुशासित एवं श्रेष्ठ व्यक्तित्व निर्माण के लिए कार्य कर रहा है। जिससे हमारा समाज, हमारी बहनें स्वावलंबी, आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सशक्त हो सकें।

वसुधेव कुटुंबकम के अनुसार ऐसे समाज का निर्माण हो जो मानवसेवा के साथ गौमाता, पशु पक्षी, पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति सजग हो। यहीं संकल्प लेकर धनुर्वेदी हिन्दू शाही अखाड़ा फाउंडेशन एक गुरुकुल निर्माण के लिए प्रयासरत है जिससे हमारी भावी पीढ़ी हमारी परंपरा, संस्कृति और सभ्यता के साथ शिक्षा प्राप्त कर सकें। जिसमें पांच सो प्रशिक्षु के रहने ,भोजन,एवं शिक्षा की व्यवस्था हो जिसमे गौशाला, पुस्तकालय, ग्रन्थालय, आश्रम , क्रीड़ा परिसर आदी की व्यवस्था हो जहां से अखाड़े के समस्त सेवाभावी एवं लोककल्याणकारी कार्य जैसे चिकित्सा सेवा, अन्नपूर्णा भंडार जहां भोजन की व्यवस्था हो, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक कलाओं की शिक्षा, रोजगार प्रशिक्षण, निराश्रितों की सेवा, एंबुलेंस सेवा आदि समस्त सेवा कार्य संचालित किए जा सकें।

तो आइए अपना अमूल्य सहयोग
देकर इस पुनीत कार्य की पुण्य यात्रा में आप भी सहभागी बनें।

Account Name : Dhanurvedi Hindu Shahi Akhada Foundation
Bank Name: Tamilnad Mercantile Bank Ltd.
A/C No. 322535214214214
IFSC Code: TMBL0000322
MICR Code: 452060501

महू नीमच रोड़, नगर पालिका उप कार्यालय के पीछे, से-1, पीथमपुर, जिला धार म.प्र.
www.dhanurvedihindushahikhada.com | 94240 94108